Name of the Scholar – Farha Deeba
Name of the Supervisor – Prof. S.M. Azizuddin Husain
Title of the Thesis - Mughal Chitrakala 16 vin Shatabdi Se 17vin Shatabdi Tak
Department – Humanities, History and Culture, Jamia Millia Islamia, Jamia Nagar, New Delhi-10025

“kk/k lkjk k

i Lrkouk& इसमें कोई संदेह नहीं है कि मुगल सम्राटों की पराकाष्ठा युद्धों में उनकी विजय के कारण रही है परन्तु यह भी सत्य है कि उन्होंने चित्रकला के क्षेत्र में भी अदित्य क्षाप छोड़ी है। उन्होंने अपनी कला एवं संस्कृति से जन मानस को एक नई दिशा प्रदान की। उन्होंने फारसी कलाकारों को अपने यहाँ आमंत्रित किया तथा हिन्दू कलाकारों को उनके साथ मिलकर काम करने का अवसर प्रदान किया। इस प्रकार हिन्दू और फारसी कला के समायोजन से हिन्दुस्तान में जिस नई शौली का प्रार्दुभाव हुआ, वह मुगल चित्र कला शैली के नाम से जाने जाते हैं। मुगल साम्राज्य का प्रथम जनक जहीरूद्दीन मुहम्मद बाबर था जिसने 1526 से 1530 तक शासन किया। जिसको कला अभिरूचि पुस्तैनी रूप से मिली। वह साहित्य का भी अच्छा ज्ञाता था। बाबर ने अपनी आत्म कथा बाबरनामा में बहिजाद और मुज्जफर अली नामक दो फारसी कलाकारों का जिक्र किया है।

vcy Qrg egEen gek; (1530–1539, 1555–1556) – बाबर की मृत्यु के पश्चात उसका पुत्र अबुल फतह मुहम्मद हुमायूँ गद्दी पर बैठा जिसने 9 वर्ष तक शासन करने के पश्चात 1539 में शेरशाह सूरी द्वारा चौसा के युद्ध में परास्त किये जाने के पश्चात ईरान वापस जाना पड़ा जहाँ उसने ईरान के शाह तहमस्प के यहां शरण ले लेनी पड़ी। दो कलाकार मीर सैय्यद अली और ख्वाजा अब्दुसमद को उपहारस्वरूप दिया। उसके पश्चात उसके पुत्र जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर ने चित्रकला को एक नया आयाम दिया। अकबर का समय चित्रकला के लिए वरदान शाबित हुआ। 1603 मे राजकुमार सलीम ने अपने पिता के विरूध विद्रोह कर दिया और इलाहाबाद में एक चित्रशाला की स्थापना की जिसके अध्यक्ष आका रिजा थे। जहांगीर के पश्चात शाहजहाँ के काल में एक से बढ़कर एक दरबारी चित्रों का निर्माण हुआ जो पादशाह नामा में संग्रहित हैं। शाहजहाँ के पश्चात उसके पुत्र दारा शिकोह ने भी चित्रकला को प्रात्साहन दिया परन्तु औरंगजेब के समय में उसकी शुष्क प्रवृत्ति के कारण चित्रकला का पतन होता चला गया।

v/;k; & 2
exy fp=dyk dk fodkl

मुगलकालीन चित्रों के द्वारा हमें भारत की भौगोलिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक जीवन की स्पष्ट झलक दिखाई देती है साथ ही मुगल सम्राटों द्वारा लिखित आत्मकथाओं द्वारा उच्च वर्ग तथा मध्यम वर्ग के व्यक्तियों की जानकारी प्राप्त होती है।
idfr fp=.k– नदियाँ तथा पहाड़ियाँ, पुष्प तथा वृक्षों का निरूपण, पशु–पक्षी सबंधी चित्रण।
vydj.k – मानव आकृतियां, व्यक्ति चित्रण, आत्म चित्रण आदि भी मुगल चित्र कला में देखने को मिलता है।
dykdkjk dk oru – मुगल चित्रशाला में कलाकारों का स्तर ऊँचा था तथा उन्हें अच्छे काम के लिए ईनाम भी दिया जाता था।

v/;k;&3
ie[k ik.Mfyfi;k

मुगलकाल में पाण्डुलियों का चित्रण किया गया, जिसमें सर्वप्रथम दास्ताने हमीर हमजा, अनवार ए सुहैली, तूतीनामा, अय्यार ए दानिश, दीवान ए हाफिज़, खानदान ए तैमूरिया, बाबरनामा, अकबारनामा, रज़्मनामा, दराबनामा आदि अकबार काल में चित्रित किये गये। जहांगीर काल में निजामुद्दीन हसन का दीवान, राजकुंवर, तुजुक ए जहाँगीर या जहांगीर नाम आदि चित्रित किया गया। शाहजहांकाल में गुलिस्ता–वोस्ता, सोज ए गुदाज़, जफर खाँ की मस्नवी, तथा पादशाह नामा चित्रित किया गया।

v/;k; & 4
exy fp=k ij iMu okyk iHkko

मुगल चित्रों में तीन प्रकार का प्रभाव देखा जा सकता है। जिसमें पर्शियन प्रभाव, यूरोपियन प्रभाव तथा भारतीय प्रभाव प्रमुख हैं।

v/;k; & 5
lkekxh

मुगल चित्रकला पूर्णतः कागज पर निर्मित की गई है। इसलिए इसमें अधिकांशतः जल रंगों का प्रयोग किया गया है। केवल हम्ज़ा नामा को छोड़कर प्रायः सभी चित्र कागज पर निर्मित किये गये हैं।

v/;k; & 6
exydkyhu ie[k dykdkj

मैंने अपने शोध में प्रमुख मुगलकालीन कलाकारों का कलाकारी तथा व्यक्तिगत जीवन का संक्षिप्त अध्ययन करने का प्रयास किया है जिसका विवरण प्रस्तुत शोध में दिया गया है।

v/;k; & 7
exydkyhu fp=k dk o.ku

अकबर जहाँगीर तथा शाहजहाँकालीन प्रमुख चित्र तथा उनका वर्णन प्रस्तुत शोध में विस्तारपूर्वक दिया गया है।

fu'd'k

इस प्रकार मैंने अपने इस शोध में अकबर, जहाँगीर तथा शाहजहाँकालीन प्रमुख चित्रों का वर्णन एक कलाकार की दृष्टि से प्रस्तुत किया है तथा यह बताने का प्रयास किया है कि कैसे–कैसे अकबरकाल से लेकर शाहजहाँकाल तक चित्रकला में क्या–क्या भिन्नतायें आती चली गईं तथा किस प्रकार कलाकारों ने ब्रुश, स्टोक्स, तथा रंगों का प्रयोग किया है।

आशा है मेरा यह प्रयास मध्यकालीन चित्रकला का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए सहयोग करेगा।

शोधार्थी

¼Qjgk nhck½
हिस्ट्री एण्ड कल्चर